



अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से आज लोक निवास, श्री विजय पुरम में लोगो डिज़ाइनर श्री जगजीवन राम एवं हिंदी साहित्य कला परिषद के प्रमुख सचिव श्री बृजेश कुमार पांडे ने शिष्टाचार भेंट की और हिंदी के उन्नयन एवं प्रयोग हेतु सार्थक चर्चा की। इसी क्रम में भाजपा प्रभारी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह श्री जय प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल तिवारी तथा पूर्व प्रभारी श्री रघुनाथ कुलकर्णी ने भी शिष्टाचार भेंट की।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 'जोश' टीम का राष्ट्रीय एवं ज़िला शुभारंभ



श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जोश (ज्वाइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) टीम का राष्ट्रीय एवं ज़िला शुभारंभ आज प्रातः 11 बजे दक्षिण अण्डमान के उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती एम. वसंता विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान की अपर जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रियंका कुमारी, संयुक्त सचिव (राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम) डॉ. पी. लाल, सहायक आयुक्त (मुख्यालय) एवं टीबी मुक्त भारत अधिकारी श्री जोसेफ, दक्षिण अण्डमान के ज़िला युवा अधिकारी श्री दीपक कुमार, टीबी मुक्त पंचायतों के प्रधान, शहरी वार्डों के पार्षद, माई भारत स्वयंसेवक तथा ज़िला स्वास्थ्य सोसायटी, दक्षिण अण्डमान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने जोश (ज्वाइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) टीम के प्रथम चरण के राष्ट्रीय शुभारंभ का आभासी माध्यम से अवलोकन किया। इस पहल का संयुक्त रूप से शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे. पी. नड्डा, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं की अगुवाई में सहभागिता, सामुदायिक भागीदारी तथा जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को मजबूत करना है। इसके अंतर्गत युवा स्वयंसेवकों एवं सामुदायिक हितधारकों को एकजुट कर स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना, निवारक स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार को प्रोत्साहित करना तथा सामुदायिक स्तर पर विभिन्न जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहयोग करना है। कार्यक्रम के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत चल रहे प्रयासों को भी रेखांकित किया गया। इसमें सामुदायिक भागीदारी, क्षय रोग की शीघ्र पहचान, समय पर जांच एवं उपचार, पोषण

शेष पृष्ठ 4 पर

उत्तर व मध्य अण्डमान में 'जोश' टीमों के ज़िला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन

मायाबंदर, 8 अक्टूबर। 'जोश' (स्वास्थ्य के लिए संयुक्त दल) टीमों के ज़िला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन आज उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता एवं युवाओं की भागीदारी को सुदृढ़ करना तथा स्थानीय प्रतिनिधियों को जनस्वास्थ्य संबंधी पहलों में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को 'टीबी मुक्त भारत' की शपथ दिलाई गई, जिसमें जागरूकता उत्पन्न करने, टीबी की शीघ्र पहचान को बढ़ावा देने, उपचार के प्रति नियमित अनुपालन सुनिश्चित करने तथा क्षय रोग के उन्मूलन में योगदान देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दोहराई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, श्री आर. अलगर स्वामी, अध्यक्ष, ज़िला परिषद, उत्तर व मध्य अण्डमान



तथा विशिष्ट अतिथि श्री एस. कृष्ण चैतन्य, अपर जिला मजिस्ट्रेट

शेष पृष्ठ 4 पर

कार निकोबार में क्लासिकल स्वाइन फीवर की स्थिति की समीक्षा, 20,000 टीकों की खेप मंगाई गई

कार निकोबार, 8 अक्टूबर। कार निकोबार में सूअरों के बीच क्लासिकल स्वाइन फीवर (सीएसएफ) की स्थिति की समीक्षा तथा इसके रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए आगे की रणनीति तय करने के उद्देश्य से 7 अक्टूबर, 2026 को निकोबार के उपायुक्त की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में मिश्रित माध्यम से उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. देबालिना मित्रा, भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की पशुधन स्वास्थ्य की उपायुक्त डॉ. देबालिना

मित्रा, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के अधिकारी, कार निकोबार के जनजातीय कप्तान तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि। उपस्थित रहे। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा की संयुक्त निदेशक डॉ. सुजाता हेगड़े ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा, कार निकोबार की क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. बलजीत कौर ने विभिन्न गांवों में सूअरों की मृत्यु की स्थिति तथा अब तक किए गए उपायों के बारे में बैठक को जानकारी दी। इनमें क्षेत्रीय निगरानी, सूअरों की मृत्यु की प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन, रोग की जांच, नमूना संग्रह, जागरूकता गतिविधियाँ, पशु

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान तथा निकोबार कमान ने संयुक्त सेवा परेड एवं मीडिया संवाद के साथ रजत जयंती मनाई



श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार कमान ने आज ब्रिचगंज परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य औपचारिक संयुक्त सेवा परेड के साथ अपने गठन की रजत जयंती मनाई। परेड की समीक्षा अण्डमान तथा निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ (सिनकैन) ने पूर्व सिनकैन तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति में की। यह परेड 25 वर्षों की समर्पित सेवा, प्रतिबद्धता और परिचालन उत्कृष्टता का प्रतीक रही। समारोह में भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल के कार्मिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार कमान के गठन के बाद से इसकी पहचान रहे संयुक्तता, सौहार्द और एकता की भावना का प्रदर्शन किया गया। समारोह में सशस्त्र बलों की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कमान के विकास को भी रेखांकित किया गया। सेवारत कार्मिकों, पूर्व सैनिकों और विशिष्ट अतिथियों की भागीदारी ने इस अवसर को और महत्वपूर्ण बना दिया तथा कमान में सेवा देने वाले सभी लोगों के योगदान का सम्मान करने का अवसर प्रदान किया। इनमें वे वीर भी शामिल हैं जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया और कमान की गौरवशाली विरासत में योगदान दिया। कमान की परिचालन तैयारी और प्रभावशीलता को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन, परिचालन उत्कृष्टता तथा कर्तव्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के सम्मान में यूनिट प्रशस्ति-पत्र एवं प्रशंसा-पत्र भी प्रदान किए गए।

शेष पृष्ठ 4 पर

सर्किट कोर्ट 16 नवम्बर से 27 नवम्बर तक

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार माननीय न्यायमूर्ति रवि कृष्ण कपूर तथा माननीय न्यायमूर्ति उदय कुमार, न्यायाधीश, कलकत्ता उच्च न्यायालय, आंशिक रूप से संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 16 नवंबर, 2026 से 27 नवंबर, 2026 तक (दोनों दिन सम्मिलित) पोर्ट ब्लेयर में सर्किट कोर्ट का आयोजन एवं सुनवाई करेंगे।

सर्किट कोर्ट 30 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा माननीय न्यायमूर्ति कृष्णा राव, न्यायाधीश, कलकत्ता उच्च न्यायालय, आंशिक रूप से संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 30 नवंबर, 2026 से 4 दिसंबर, 2026 तक (दोनों दिन सम्मिलित) पोर्ट ब्लेयर में सर्किट कोर्ट का आयोजन एवं सुनवाई करेंगे।

स्वराज द्वीप में रबी मौसम के लिए उर्वरक एवं कृषि आदानों की आपूर्ति शुरू

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कृषि विभाग ने आगामी रबी मौसम के लिए कृषक समुदाय को आवश्यक कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वराज द्वीप में उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की आपूर्ति शुरू कर दी है। इस पहल के तहत पहली खेप में 0.50 मीट्रिक टन डीएपी, 0.45 मीट्रिक टन एनसी यूरिया के साथ-साथ स्फेर, ट्रेपर, नैनो डीएपी और नैनो यूरिया जैसे अन्य कृषि आदानों को शामिल किया गया है। यह खेप आज, 8 अक्टूबर, 2026 को एमवी वंदूर के माध्यम से स्वराज द्वीप भेजी गई। इस खेप का उद्देश्य किसानों की उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना तथा फसल मौसम के दौरान आवश्यक पोषक तत्वों एवं कृषि आदानों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उर्वरकों की उपलब्धता से किसानों को संतुलित पोषक तत्वों के प्रयोग तथा



शेष पृष्ठ 4 पर

लोकप्रिय मांग पर लौट आया द्वीप नारियल महोत्सव—2026

17 एवं 18 अक्टूबर को होगा आयोजन

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा संबद्ध विभागों के सहयोग से द्वीप नारियल महोत्सव—2026 के तीसरे संस्करण का आयोजन 17 एवं 18 अक्टूबर, 2026 को श्री विजय पुरम स्थित प्रदर्शनी मैदान में शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक किया जाएगा। पिछले आयोजनों में मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बाद आयोजित किए जा रहे इस महोत्सव का उद्देश्य द्वीपसमूह की समृद्ध सांस्कृतिक, पाक-कला एवं रचनात्मक परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन करना है। महोत्सव में नारियल आधारित व्यंजन, हस्तशिल्प, पारंपरिक कलाओं, लोक प्रस्तुतियों तथा स्थानीय स्तर

पर निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह आयोजन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), कारीगरों, स्थानीय उद्यमियों, खाद्य व्यवसाय संचालकों, होटल व्यवसायियों, रेस्तरां संचालकों तथा अन्य हितधारकों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने, आगंतुकों से संवाद करने तथा आय सृजन एवं आजीविका संवर्धन के अवसर तलाशने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। होटल व्यवसायियों, रेस्तरां संचालकों, व्यक्तियों, संघों, स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों, कारीगरों, खाद्य स्टॉल संचालकों तथा अन्य इच्छुक प्रतिभागियों से महोत्सव में भाग लेने के लिए आवेदन आमंत्रित किए

शेष पृष्ठ 4 पर

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत

संबंधी सहायता तथा टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान 14 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत का दर्जा प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान क्षय रोग उन्मूलन की दिशा में उनके सहाहनीय कार्य एवं निरंतर प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया।

ग्राम पंचायत कॉलिनपुर को वर्ष 2024 और 2025 के दौरान लगातार टीबी मुक्त पंचायत का दर्जा प्राप्त करने के लिए महात्मा गांधी की रजत प्रतिमा प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त 13 ग्राम पंचायतों—बिड़नाबाद, स्टीवर्टगंज, छोलदारी, टुसनाबाद, मीठाखाड़ी, विम्बर्लीगंज, फरारगंज, गुप्तापाड़ा, बम्बूफ्लाट–2, शोल बे, नेताजी नगर, विवेकानंदपुर और रवीन्द्र नगर—को वर्ष 2025 में पहली बार कांस्य श्रेणी में उपलब्धि हासिल करने के लिए महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा प्रदान की गई।

अण्डमान तथा निकोबार कमान ने संयुक्त सेवा

इस अवसर पर सिनकैन ने अण्डमान तथा निकोबार कमान की रजत जयंती के उपलक्ष्य में प्रथम दिवस आवरण का विमोचन किया। यह स्मारक आवरण कमान की 25 वर्षों की यात्रा को दर्शाता है तथा इसके इतिहास, सेवा और राष्ट्र के प्रति योगदान को सम्मानित करते हुए इसके परिचालन अस्तित्व में एक महत्वपूर्ण पड़ाव को चिह्नित करता है।

सिनकैन ने इस अवसर पर सभी रैंकों के कार्मिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएँ दीं तथा कार्मिकों से राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहने और व्यावसायिकता, परिचालन तत्परता एवं सेवा भावना के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आह्वान किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि रजत जयंती समारोह

उत्तर व मध्य अण्डमान में ‘जोश’ टीमों के

ने उपस्थित प्रतिभागियों को समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने तथा टीबी की रोकथाम, शीघ्र निदान, उपचार के प्रति नियमित अनुपालन और टीबी मुक्त समाज के निर्माण में सामूहिक कार्रवाई के महत्व के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा अपर ज़िला मजिस्ट्रेट एवं

कार निकोबार में क्लासिकल स्वाइन फीवर

चिकित्सा सहायता तथा मृत पशुओं के शवों का सुरक्षित निपटान शामिल हैं। डॉ. देबालिना मित्रा ने क्लासिकल स्वाइन फीवर की प्रकृति के बारे में जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि यह रोग जूनोटिक नहीं है और इससे मनुष्यों को कोई प्रत्यक्ष खतरा नहीं है। उन्होंने अनावश्यक भय एवं घबराहट से बचने तथा निर्धारित रोग नियंत्रण, जैव—सुरक्षा और निगरानी उपायों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशक ने बताया कि कार निकोबार में पहले क्लासिकल स्वाइन फीवर के विरुद्ध टीकाकरण किया गया था, लेकिन लगभग दो दशकों तक कोई मामला सामने नहीं आने के बाद इसे बंद कर दिया गया था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए सीएसएफ टीके की 20,000 खुराक के लिए मांग—पत्र भेजा गया है। टीके प्राप्त होते ही विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। कार निकोबार के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण दल तैनात किए जाएंगे तथा जनजातीय कप्तानों से अपने-अपने गांवों में पात्र सूअरों का टीकाकरण कराने में सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।

निवारक उपाय के रूप में स्थिति नियंत्रण में आने तक द्वीप पर सूअरों एवं सूअर उत्पादों के आवागमन पर प्रतिबंध जारी रहेगा। सूअर पालकों को बीमार या संदिग्ध सूअरों, सूअर के मांस अथवा शवों को बेचने, ले जाने या स्थानांतरित करने से बचने की सलाह दी गई है। नए खरीदे गए सूअरों को पशु चिकित्सक की सलाह के बिना मौजूदा झुंड में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

सभी गांवों में जागरूकता अभियान का दूसरा चरण चलाया जाएगा। जन—जागरूकता संबंधी परामर्श को निकोबारी भाषा में

स्वराज द्वीप में रबी मौसम के लिए उर्वरक

एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) पद्धतियों को अपनाने में सुविधा होगी। इससे मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से सब्जियों की खेती में इसका लाभ मिलेगा, जो स्वराज द्वीप की कृषि गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कृषि विभाग किसानों तक निर्धारित वितरण प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों की खेप समय पर पहुंचाने

लोकप्रिय मांग पर लौट आया द्वीप नारियल महोत्सव

गए हैं। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित आवेदन प्रपत्र सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय की परिचालन इकाई से प्राप्त कर सकते हैं। महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जिनमें नारियल आधारित कला एवं हस्तशिल्प प्रतियोगिता, पुरुषों के लिए नारियल छिलका उतारने की प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए नारियल छिलका उतारने की प्रतियोगिता तथा नारियल पाक—कला प्रतियोगिता शामिल हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उचित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। भागीदारी एवं प्रतियोगिताओं के संबंध में इच्छुक प्रतिभागी सहायक प्रबंधक श्री चंदरराव एच.के. से

पाक—कला कौशल, प्रस्तुतीकरण एवं स्वच्छता में उन्नयन प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय ने राइजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (आरएएमपी) पर्यटन हस्तक्षेप, 2026–27 के तहत पाक—कला कौशल, प्रस्तुतीकरण एवं स्वच्छता विषय में कौशल उन्नयन कार्यक्रम के लिए इच्छुक युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के लिए सीटें सीमित हैं। इस संबंध में निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के योजना अनुभाग में जमा किया जा सकता है अथवा निम्नलिखित लिंक **https://forms.gle/i9irUK1s5fySWfJi7** पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आवेदन 16 अक्टूबर, 2026 को सायं 3 बजे तक जमा किए जा सकते हैं।

इस सम्मान के माध्यम से सामुदायिक लामबंदी, टीबी जागरूकता, जांच, उपचार में सहयोग तथा क्षय रोग के विरुद्ध अभियान में स्थानीय भागीदारी को मजबूत करने के लिए पंचायतों द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों को मान्यता दी गई।

इस शुभारंभ ने दक्षिण अण्डमान को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति स्वामित्व की भावना को मजबूत करने और इस यात्रा को गति देने के लिए जिला प्रशासन, जिला स्वास्थ्य सोसायटी, पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों तथा युवा स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम का समापन जन भागीदारी के नए आह्वान के साथ हुआ। प्रत्येक नागरिक, युवा स्वयंसेवक, निर्वाचित प्रतिनिधि एवं सामुदायिक संस्था से स्वस्थ एवं टीबी मुक्त समुदायों के निर्माण की दिशा में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया गया।

अण्डमान तथा निकोबार कमान ने संयुक्त सेवा



अण्डमान तथा निकोबार कमान की राष्ट्र के समुद्री हितों की सुरक्षा तथा समर्पण, विशिष्टता और कर्तव्य के प्रति अटूट भावना के साथ राष्ट्र की सेवा करने की स्थायी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करते हैं।

उत्तर व मध्य अण्डमान में ‘जोश’ टीमों के

प्रमारी चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में टीबी मुक्त पंचायतों के प्र्माणों को सम्मानित किया गया। वर्ष 2025 के लिए सफलतापूर्वक टीबी मुक्त पंचायत का दर्जा प्राप्त करने वाली पंचायतों को उनकी उपलब्ि एा एवं टीबी उन्मूलन के प्रयासों में उनके योगदान के सम्मानस्वरूप कांस्य एवं रजत श्रेणी में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं प्रदान की गईं।

कार निकोबार में क्लासिकल स्वाइन फीवर

अनुवादित कर व्यापक रूप से प्रसारित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पूरे द्वीप में चलित वाहन के माध्यम से सार्वजनिक घोषणाएं भी की जाएंगी।

समन्वित निगरानी एवं रिपोर्টিंग के लिए प्रत्येक गांव में ग्राम स्तरीय कार्यबल का गठन किया जाएगा। जनजातीय कप्तानों से सूअरों की मृत्यु के आंकड़ों की दोबारा जांच एवं सत्यापन करने का अनुरोध किया गया है, क्योंकि कार निकोबार में कई सूअर वन क्षेत्रों में पाले जाते हैं और उनका तत्काल भौतिक सत्यापन संभव नहीं हो पाता। विभाग को ग्राम कप्तानों के परामर्श से सूअरों के शवों का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने तथा चूना, ब्लैचिंग पाउडर एवं अन्य कीटाणुनाशकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाओं का भंडार भी बनाए रखा जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में आवश्यक रोग नियंत्रण उपायों को लागू करते हुए निकोबारी सूअर, जो भारत की पंजीकृत देशज नस्ल है, के संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। सूअर पालकों एवं ग्रामीणों से अनुरोध किया गया है कि किसी भी सूअर में तेज बुखार, भूख न लगना, कमजोरी, दस्त, त्वचा का रंग बदलना, खांसी या अचानक मृत्यु जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम पशु चिकित्सा कर्मी को सूचित करें। इसके साथ ही पशु बाड़ों को स्वच्छ रखने, अनावश्यक लोगों के प्रवेश को सीमित करने तथा टीकाकरण एवं निगरानी दलों को पूरा सहयोग देने की अपील की गई है। शीघ्र सूचना देने तथा सूअरों के आवागमन को प्रतिबंधित रखने से बिना अनावश्यक भय उत्पन्न किए रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

के लिए उनके परिवहन, उपलब्धता एवं वितरण की लगातार निगरानी कर रहा है। विभाग ने यह भी बताया है कि मांग एवं उपलब्धता के आधार पर आगे की आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा तथा रबी मौसम के दौरान किसानों के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी।

मोबाइल नंबर 9434282324 तथा श्री एमलुस लाकड़ा से मोबाइल नंबर 9474200066 पर संपर्क कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर, 2026 को शाम 4 बजे तक है। किसी भी अन्य जानकारी के लिए सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय के प्रबंधक से मोबाइल नंबर 99332255364 पर संपर्क किया जा सकता है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने द्वीपवासियों, पर्यटकों, कार्यगरो, उद्यमियों, खान—पान के शौकीनों तथा आम जनता से एक साथ आकर नारियल के माध्यम से द्वीपों की भावना का उत्सव मनाने का आह्वान किया है—नारियल, जो हमारी परंपरा, स्वाद, रचनात्मकता और शिल्प कौशल का प्रतीक है।



अंतरराष्ट्रीय स्टैंड—अप पैडल प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट 10 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा 01.10.2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के क्रम में द्वीपसमूह के पात्र अभ्यर्थियों से अंतरराष्ट्रीय स्टैंड—अप पैडल प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इच्छुक अभ्यर्थियों से 9 अक्टूबर, 2026 को शाम 5 बजे तक दिए गए लिंक के माध्यम से पंजीकरण करने का अनुरोध किया गया है।

पंजीकृत अभ्यर्थियों/आवेदकों को नीचे उल्लिखित दस्तावेजों के साथ 10 अक्टूबर, 2026 को सुबह 6 बजे राजीव गांधी जल क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित होना होगा, जहां सभी आवेदकों की स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की जाएगी। पूर्व निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने तथा योग्यता के आधार पर अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन किया जाएगा। स्क्रीनिंग परीक्षा शुरू होने से पहले दिए गए लिंक के माध्यम से पंजीकरण कराने वाले अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी क्षेत्रों के पात्र आवेदकों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री विजय पुरम में एक माह का गहन स्टैंड—अप पैडल (एसयूपी) प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इंटरनेशनल सर्फिंग एसोसिएशन (आईएसए) फ़्लैट वाटर स्टैंड—अप पैडल प्रशिक्षक पाठ्यक्रम कराया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को आईएसए/इंटरनेशनल लाइफ सेविंग सोसायटी (आईएलएस) सर्फ एवं एसयूपी प्रशिक्षक जलीय बचाव एवं सुरक्षा पाठ्यक्रम भी कराया जाएगा, जिसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय जल सुरक्षा मानकों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण नि:शुल्क होगा तथा चयनित छह अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन से संबंधित सभी शुल्क पर्यटन निदेशालय द्वारा वहन किए जाएंगे। आवेदकों की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा वे अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के निवासी होने चाहिए। अभ्यर्थियों को तैराकी में दक्ष, समुद्र में सहज तथा लगातार

कैमरा आधारित तेज गति से वाहन चलाने के विरुद्ध प्रवर्तन शुरू, गति सीमा का पालन कर जीवन बचाएं

तेज गति से वाहन चलाने पर हल्के मोटर वाहन श्रेणी के वाहनों पर 1,500 रुपये तथा मध्यम और भारी वाहनों पर 3,000 रुपये का जुर्माना लगेगा

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर।

अण्डमान जिले के उपायुक्त द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 4/27/डीएस/90/4460 दिनांक 23 नवम्बर, 2001 के अनुसार, नगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए निम्नलिखित गति सीमाएं निर्धारित की गई हैं:

- हल्के मोटर वाहन (एलएमवी): 40 किमी प्रति घंटा
- स्कूटर / मोटरसाइकिल / मोपेड: 35 किमी प्रति घंटा
- भारी मालवाहक वाहन (एचजीवी)/यात्री बस: 40 किमी प्रति घंटा
- ऑटो रिक्शा: 25 किमी प्रति घंटा

श्री विजय पुरम के विभिन्न स्थानों पर स्थापित गति उल्लंघन पहचान (एसवीडी) कैमरा अब कार्यशील हो गया है और निष्ा्रित गति सीमा से अधिक गति से चलने वाले वाहनों का स्वतः पता लगाकर उनकी तस्वीरें दर्ज करेगा। ऐसे उल्लंघनों पर कानून के अनुसार उचित प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमाओं का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी गई है। तेज गति से वाहन चलाने पर चालक की पैदल यात्रियों, अन्य वाहनों और सड़क पर अचानक उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति प्रतिक्रिया करने की

सीबीएसई निजी अभ्यर्थियों के लिए कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा के आवेदन शुरू आवेदन की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली ने निजी अभ्यर्थियों के लिए सीबीएसई कक्षा 10वीं (एसएसई) एवं कक्षा 12वीं (एसएससीई) की परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन परीक्षाओं का आयोजन बोर्ड की मुख्य परीक्षा—2026 के साथ फरवरी/मार्च/अप्रैल, 2026 में किया जाना निर्धारित है। निम्नलिखित श्रेणियों के अभ्यर्थी निजी अभ्यर्थी के रूप में बोर्ड की मुख्य परीक्षा—2026 में शामिल होने के पात्र हैं:—

सत्र 2025–26 के वे विद्यार्थी, जिन्हें परीक्षा—2026 के परिणाम में आवश्यक रूप से पुनः परीक्षा देने के लिए घोषित किया गया है। सत्र 2025–26 के वे विद्यार्थी, जिन्हें बोर्ड की मुख्य परीक्षा एवं पूरक परीक्षा—2026 में कम्पार्टमेंट में रखा गया है (दूसरा अवसर कम्पार्टमेंट अभ्यर्थी)। वे विद्यार्थी, जिन्हें वर्ष 2021, 2022, 2023, 2024, 2025 एवं 2026 में अनुत्तीर्ण/आवश्यक रूप से पुनः परीक्षा देने के लिए घोषित किया गया है।

सत्र 2025–26 में उत्तीर्ण वे अभ्यर्थी, जो एक या अधिक विषयों में अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं। उपरोक्त श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की प्रक्रिया आज से शुरू

कैम्पबेल बे में डीएफओ फुटबॉल कप—2026 का शुभारंभ

कैम्पबेल बे, 8 अक्टूबर।

72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह के तहत निकोबार वन प्रभाग द्वारा आयोजित डीएफओ फुटबॉल कप—2026 का उद्घाटन समारोह कैम्पबेल बे में आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह का विशेष आकर्षण गोविंद नगर पंचायत के



जल आधारित गतिविधियों में भाग लेने के लिए चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। चूंकि अंतरराष्ट्रीय योग्यताएं अंग्रेजी भाषा में प्रदान की जाएंगी, इसलिए आवेदकों को अंग्रेजी में दिए गए निर्देशों को समझने तथा लिखित मूल्यांकन पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। अनिवार्य शारीरिक दक्षता की आवश्यकता के तहत आवेदकों को कम से कम 25 मीटर लंबाई वाले स्विमिंग पूल में 200 मीटर की तैराकी पांच मिनट से कम समय में पूरी करनी होगी। आवेदकों को अपने बायोडेटा/परिचय—पत्र, शैक्षणिक योग्यताओं के प्रमाण—पत्र, यदि कोई हों तो खेल संबंधी योग्यता या उपलब्ि यों के प्रमाण—पत्र, पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण—पत्र, आयु प्रमाण तथा द्वीपसमूह में निवास का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण—पत्र के बिना प्रस्तुत किए गए आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी दिए गए गूगल फॉर्म लिंक **https://forms.gle/imDUoDC74zltFeEeA** के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय के योजना अनुभाग से संपर्क किया जा सकता है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन—229465, प्रधान सम्पादक (प्रमारी) पी. कैरल डी. सोणी

e-mail:dweepsamachar@gmail.com

किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का उपयोग कर फर्जी ऑनलाइन शिकायतें दर्ज करने के प्रति साइबर अपराध पुलिस थाना ने आम जनता को किया सावधान

श्री विजय पुरम, 08 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के साइबर अपराध पुलिस थाने ने उप राज्यपाल सहायता डेस्क शिकायत पोर्टल के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति के नाम एवं पहचान का कथित रूप से धोखाधड़ीपूर्ण उपयोग कर झूठी शिकायतें दर्ज करने के कई मामलों का पता लगाया है।

यह मामला उस समय सामने आया जब एक व्यक्ति को पता चला कि उसकी जानकारी, सहमति या अनुमति के बिना उसके नाम अथवा उसकी पहचान या उसके संगठन की पहचान का उपयोग करते हुए किसी लोक प्राधिकारी

के समक्ष शिकायत दर्ज की गई है। इसके बाद उसने साइबर अपराध पुलिस थाने से संपर्क किया, जिसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

आम जनता को सलाह दी जाती है कि:

- किसी अन्य व्यक्ति के नाम, मोबाइल नंबर, ई–मेल आईडी अथवा पहचान संबंधी विवरण का उपयोग ऑनलाइन शिकायत या परिवाद दर्ज करने के लिए कभी न करें।
- सरकारी पोर्टल अथवा सामाजिक माध्यमों के जरिए झूठी, मनगढ़ंत अथवा किसी अन्य व्यक्ति के रूप में

प्रस्तुत होकर शिकायतें न बनाएं और न ही दर्ज करें।

- अपने नाम से प्राप्त किसी भी शिकायत की प्रामाणिकता की जांच करें तथा किसी व्यक्ति की पहचान का प्रतिरूपण किए जाने अथवा पहचान के दुरुपयोग की आशंका होने पर तत्काल संबंधित प्राधिकारी अथवा साइबर अपराध पुलिस थाने को इसकी सूचना दें।
- ऐसी घटनाओं की सूचना देते समय स्क्रीनशॉट, शिकायत संख्या, ई–मेल, संदेश तथा अन्य संबंधित डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखें।
- आधिकारिक शिकायत निवारण माध्यमों का

एनसीसी कैडेटों ने मनाया 94वाँ भारतीय वायु सेना दिवस



श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भातूबरस्ती, दक्षिण अण्डमान में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के जूनियर डिवीजन विंग द्वारा 94वाँ भारतीय वायु सेना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में एनसीसी के स्थायी प्रशिक्षक (पीआई) स्टाफ तथा 1(अण्डमान तथा निकोबार) स्वतंत्र कंपनी एनसीसी के अधिकारियों की उपस्थिति रही।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में कुल 50 एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वर्ष भारतीय वायु

वन्यजीव सप्ताह के तहत चिड़ियाटापू जैविक उद्यान में ऑन–द–स्पॉट फोटोग्राफी कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह–2026 के तहत चिड़ियाटापू स्थित जैविक उद्यान द्वारा कल उद्यान परिसर में ‘ऑन–द–स्पॉट फोटोग्राफी’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से फोटोग्राफी के शौकीनों एवं आगंतुकों को उद्यान में रखे गए विभिन्न वन्यजीवों, जिनमें पशु–पक्षी शामिल हैं, के साथ–साथ खुले में विचरण करने वाले वन्यजीवों को अपने कैमरे के माध्यम से देखने, उनका अवलोकन करने तथा उन्हें छायाचित्रों में कैद करने का अवसर मिला।

इस कार्यक्रम में फोटोग्राफी के शौकीनों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा उद्यान में मौजूद विविध वन्यजीवों को देखने और उन्हें अपने कैमरे में कैद करने में विशेष रुचि दिखाई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस गतिविधि के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रकृति के साथ निकटता से जुड़ने के लिए

जेएनआरएम में साइबर सुरक्षा जागरुकता माह–2026 का शुभारंभ

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) में कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 8 अक्टूबर, 2026 को साइबर सुरक्षा जागरुकता माह–2026 के उपलक्ष्य में एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। यह पहल देशभर में मनाए जा रहे साइबर सुरक्षा जागरुकता माह का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं व्यापक समुदाय के बीच सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना है। उद्घाटन समारोह में जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने तेजी से बदलते डिजिटल वातावरण में जागरुकता विकसित करने और जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के महत्व पर जोर दिया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि

एएलसी द्वारा एआईबीई अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा

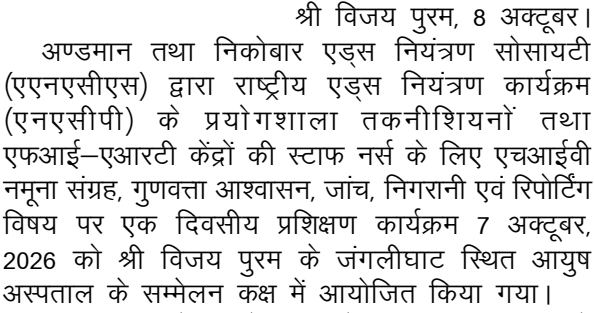
श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। अण्डमान विधि महाविद्यालय (एएलसी) द्वारा अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) के अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन के लिए 10 एवं 17 अक्टूबर को दो सत्र आयोजित किए जाएंगे। दोनों सत्र कॉलेज के सभागार में प्रातः 11 बजे से शुरू होंगे। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में मार्गदर्शन प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थियों से दोनों सत्रों में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। एआईबीई के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी बिना किसी पंजीकरण के सीधे सत्रों में भाग ले सकते हैं। अण्डमान विधि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.

बर्ड लाइन पुलिस फायरिंग रेंज में दिन–रात फायरिंग अभ्यास 9 एवं 10 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। मनुवर्स, फील्ड फायरिंग एवं आर्टिलरी प्रैक्टिस अधिनियम, 1938 की धारा 10(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिसूचित किया गया है कि एनएसजी आतंकवाद–रोधी क्षमता आकलन के संबंध में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस तथा आईआरबीएन के कमांडो–प्रशिक्षित पुलिस कार्मिकों द्वारा पुलिस फायरिंग रेंज, बर्ड लाइन, प्रोथरापुर में फायरिंग अभ्यास आयोजित किया जाएगा। यह

जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें और केवल वास्तविक एवं तथ्यात्मक रूप से सही जानकारी ही प्रस्तुत करें।

प्राप्त विज्ञप्ति में नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई है। किसी भी साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा साइबर अपराध पुलिस थाना हेल्पलाइन नंबर 03192–230668 एवं 9531856083 पर सूचना दें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करें।



एएनएसीएस के परियोजना निदेशक डॉ. सुब्रत साहा ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने मुख्य संबोधन में उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए द्वीपसमूह में एचआईवी की रोकथाम एवं नियंत्रण संबंधी प्रयासों को और सुदृढ़ करने के लिए प्रयोगशाला सेवाओं तथा एचआईवी जांच प्रणालियों को मजबूत बनाने के महत्व पर जोर दिया।

इससे पहले प्रयोगशाला सेवा प्रभाग के सहायक निदेशक डॉ. पी.के. सिकदार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। एएनएसीएस के सहायक निदेशक (एसआई) श्री गणेश देबनाथ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने उद्घाटन समारोह में उपस्थित होने, महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करने तथा नेतृत्व के लिए एएनएसीएस के परियोजना निदेशक डॉ. सुब्रत साहा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. शिवाली कमल की उपस्थिति तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान के लिए भी आभार व्यक्त किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि तकनीकी सत्रों में प्रयोगशाला सेवाओं का अवलोकन, एचआईवी संक्रमण का विषाणु विज्ञान एवं रोगजनन, प्रयोगशाला

मंगलूतान रेंज द्वारा 93 किलोग्राम वन्यजीव मांस ज़ब्त

श्री विजय पुरम, 8 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यावरण एवं वन विभाग ने दक्षिण अण्डमान वन प्रभाग के अंतर्गत मंगलूतान रेंज द्वारा 8 अक्टूबर, 2026 को की गई कार्रवाई के दौरान 93 किलोग्राम वन्यजीव मांस ज़ब्त किया।

वन्यजीव मांस के अवैध कारोबार के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर वन विभाग के कर्मचारियों ने एक महिला को रोका और उसके कब्जे से 21 किलोग्राम वन्यजीव मांस ज़ब्त किया। इसके बाद की गई तलाशी के दौरान अतिरिक्त 72 किलोग्राम वन्यजीव मांस बरामद किया गया। इस प्रकार कुल 93 किलोग्राम वन्यजीव मांस तथा अवैध कारोबार में इस्तेमाल किए जाने की आशंका वाले अन्य सामान ज़ब्त किए गए। मामले में आगे की जांच जारी है।

उल्लेखनीय है कि इसी महिला को इससे पूर्व 1 अगस्त, 2026 को मंगलूतान रेंज द्वारा वन्यजीव अपराध के एक अलग मामले में पकड़ा गया था, जिसके दौरान 16 किलोग्राम वन्यजीव मांस ज़ब्त किया गया था। इसके बाद वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत वन्यजीव अपराध मामला दर्ज किया गया था और मामले को माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री विजय पुरम के न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक: लिए गए ये महत्वपूर्ण फैसले

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (आईएनएस)। जीएसटी परिषद की गुरुवार को हुई 57 वीं बैठक में देश में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए कई फैसले लिए गए, जिसमें रिफंड प्रक्रिया को तेज करना और आईटीसी का विस्तार भी शामिल हैं। जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में रिफंड प्रोसेस को तेज बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके तहत अब रिफंड क्लेम को स्वीकार करने की अवधि को 15 दिनों से घटाकर 10 दिन कर दिया गया है। अगर इस समय–सीमा के अंदर न तो कोई रिफंड क्लेम स्वीकार होता है और न ही इसमें किसी कमी के बारे में सूचना जारी की जाती है, तो क्लेम को स्वीकार किया हुआ माना जाएगा। इसमें किसी अधिकारी के बजाय, सिस्टम रिस्क असेसमेंट के आधार पर क्लेम का 90 प्रतिशत हिस्सा मंजूर करेगा। अभी रिफंड ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर जारी किया जाता है, लेकिन अब यह तीन कार्यदिवस दिनों के भीतर जारी कर दिया जाएगा।

इससे कैश लेजर में मौजूद अतिरिक्त बैलेंस का रिफंड पूरी तरह से ऑटोमैटिक हो जाएगा, जिसमें किसी अधिकारी के दखल की जरूरत नहीं होगी। इन बदलावों से खास तौर पर निर्यातकों और ‘इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर’ के तहत काम करने वाले व्यवसायों को मदद मिल सकती है। रिफंड के लगभग 65 प्रतिशत दावे निर्यातकों या इनवर्टेड रेट्स से जुड़े होते हैं, जबकि 19 प्रतिशत दावे कैश लेजर में पहले से मौजूद बैलेंस से संबंधित



यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह कार्रवाई दक्षिण अण्डमान वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी श्री राजी जॉर्ज, भा.व.से., के समग्र पर्यवेक्षण तथा सहायक वन संरक्षक श्री आर.एस. शरत और वन क्षेत्राधिकारी श्री अमलेंद्र मंडल के मार्गदर्शन में की गई। दक्षिण अण्डमान वन प्रभाग ने आम जनता से द्वीपसमूह के वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील दोहराई है। विभाग ने अवैध शिकार, वन्यजीवों को रखने, उनके परिवहन, भंडारण अथवा वन एवं वन्यजीव उपज के अवैध कारोबार से संबंधित किसी भी जानकारी की सूचना वन विभाग की हेल्पलाइन 03192–255228 पर देने का अनुरोध किया है। सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।



होते हैं।

इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का भी विस्तार किया है। अब कर्मचारियों के लिए गए हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस और फैंक्ट्रियों के बाहर लगाए गए टेलीकम्युनिकेशन टावर और पाइपलाइन पर आईटीसी मिलेगा। फ्री सैंपल और एक्सपायरी की वजह से राइट–ऑफ किए गए स्टॉक पर भी आईटीसी मिलेगा, बशर्ते कानून के तहत उन सामानों को नष्ट करना जरूरी हो।

सरकार ने कुछ बी2बी (बिजनेस–टू–बिजनेस) सर्विस चैन में दो बार टैक्स लगने से रोकने के लिए भी कदम उठाए हैं। एजेंट के जरिए बुक की गई 7,500 रुपए प्रति रात तक की होटल बुकिंग, रेस्टोरेंट और कैटरिंग सर्विस और पैसेंजर ट्रांसपोर्ट जैसी सर्विस पर अब दो बार के बजाय सिर्फ एक बार टैक्स लगेगा।



प्रोत्साहित किया गया तथा ‘अन्वेषण करें, अवलोकन करें, छायाचित्र लें और संरक्षण करें’ का संदेश दिया गया। उत्कृष्ट छायाचित्र प्रविष्टियों के लिए विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

सरकारी कामकाज में इस्तेमाल होने वाली हिंदी सरल, सहज और आम लोगों की रोजमर्रा की भाषा के करीब होनी चाहिए—केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने का सबसे प्रभावी तरीका इसे थोपना नहीं, बल्कि इसके इस्तेमाल के लिए अधिक अवसर और भागीदारी पैदा करना है। उन्होंने कहा कि जब हिंदी का ज्ञान रोजगार और पेशेवर तरक्की के अवसरों से जुड़ेगा, तो इसके इस्तेमाल को लेकर लोगों में स्वाभाविक रुचि बढ़ेगी। वह कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की तीसरी बैठक को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी कामकाज में इस्तेमाल होने वाली हिंदी सरल, सहज और आम लोगों की रोजमर्रा की भाषा के करीब होनी चाहिए। अनावश्यक रूप से कठिन या अत्यधिक औपचारिक हिंदी का इस्तेमाल सरकारी संचार को जटिल बना सकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी हिंदी ऐसी होनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सकें और वह अंग्रेजी के शाब्दिक अनुवाद जैसी प्रतीत न हो।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यभार संभालने के बाद पिछले 10–12 वर्षों में हिंदी के इस्तेमाल में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत के अधिकारी भी बड़े पैमाने पर हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में काम करने वाले ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों का उदाहरण दिया, जो गैर–हिंदी भाषी क्षेत्रों में तैनात होने के बावजूद आधिकारिक कार्यों में हिंदी का व्यापक इस्तेमाल कर रहे हैं।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि किसी भाषा के प्रति रुचि पैदा करना उसे थोपने से कहीं अधिक प्रभावी है। यदि हिंदी रोजगार और पेशेवर अवसरों के लिए उपयोगी बनेगी, तो लोग इसे सीखने और इस्तेमाल करने के लिए स्वाभाविक रूप से प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में भी हिंदी सीखने की मांग बढ़ रही है, जहां पहले इसका इस्तेमाल सीमित था।

उन्होंने कहा कि विभाग में पहले से ही काफी काम हिंदी में हो रहा है, लेकिन हिंदी का 100% इस्तेमाल हर परिस्थिति में अनिवार्य करना व्यावहारिक नहीं हो सकता। खासतौर पर गैर–हिंदी भाषी राज्यों के साथ आधिकारिक संवाद में अलग–अलग भाषाई क्षेत्रों के लोगों और अधिकारियों की सुविधा तथा संवेदनशीलता का ध्यान रखना जरूरी है।

नाना पाटेकर : संघर्ष, अभिनय, सादगी और मानवीय संवेदना से गढ़ा एक असाधारण व्यक्तित्व

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर।

कुछ कलाकार पर्दे पर किरदार निभाते हैं, कुछ उनमें अपना रंग भरते हैं, लेकिन विरले कलाकार ऐसे होते हैं जो किरदार को ही अपना जीवन बना देते हैं। नाना पाटेकर इसी विरल परंपरा के अभिनेता थे। उनकी आवाज में जीवन की तपिश, संवादों में विद्रोह की धार, आंखों में अनुभव की गहराई और मौन में ऐसी संवेदना थी, जो बिना शब्दों के भी बहुत कुछ कह जाती थी। वे अभिनय नहीं करते थे, किरदार को जीते थे। विश्वनाथ पाटेकर से नाना पाटेकर तक की उनकी यात्रा संघर्ष, साधना और आत्मविश्वास से निर्मित हुई। मराठी रंगमंच की तपती जमीन से शुरू हुआ उनका सफर लगभग पांच दशकों तक हिंदी और मराठी सिनेमा के विस्तृत आकाश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाता रहा। उनकी कला में समय के साथ परिपक्वता आती गई और हर भूमिका के साथ उन्होंने अभिनय की नई संभावनाओं को सामने रखा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की आयु में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने अपने एक ऐसे सशक्त कलाकार को खो दिया, जिसकी पहचान किसी एक छवि, शैली या भूमिका तक सीमित नहीं रही। यही कारण है कि उनकी रचनात्मक विरासत समय की धूल से धुंधली होने के बजाय आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

उन्होंने अभिनय को चकाचौंध से निकालकर जीवन की कठोर सच्चाइयों के करीब खड़ा किया। नायक, खलनायक, चरित्र अभिनेता, हास्य कलाकार और निर्देशक, हर भूमिका में उन्होंने अपनी कला छाप छोड़ी। परिदा, क्रांतिवीर, अग्निसाक्षी, खामोशी, वेलकम और नटसम्राट उनके बहुरंगी अभिनय संसार के जीवंत प्रमाण हैं। उत्कृष्ट अभिनय के लिए तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और वर्ष 2013 का पद्म श्री उनके रचनात्मक अवदान की प्रतिष्ठित स्वीकृतियां हैं। नाना पाटेकर का जीवन किसी तैयार फिल्मी पटकथा की तरह आसान नहीं था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र में हुआ। कला के प्रति रुचि ने उन्हें मुंबई के सर जेजे. स्कूल ऑफ आर्ट्स तक पहुंचाया और इसके बाद रंगमंच उनके रचनात्मक जीवन का महत्वपूर्ण आधार बना। रंगमंच अभिनय की ऐसी पाठशाला है, जहां कलाकार को केमेरे की सुविधा नहीं मिलती। वहां संवाद, देहभाषा, आवाज, मौन और भाव सब कुछ कलाकार को स्वयं साधना पड़ता है। नाना पाटेकर के अभिनय में आगे चलकर जो तीव्रता दिखाई दी, उसकी जड़ें इसी रंगमंचीय प्रशिक्षण में थीं। उन्होंने अभिनय को केवल संवाद बोलने की कला नहीं माना, बल्कि चरित्र के भीतर उतरकर उसकी मानसिक दुनिया को समझने का माध्यम बनाया। फिल्मों में प्रवेश के बाद शुरुआती दौर में उन्हें तत्काल वह लोकप्रियता नहीं मिली, जो पारंपरिक नायकों को मिलती थी। लेकिन उन्होंने अपनी राह अलग चुनी। उनका चेहरा पारंपरिक अर्थों में रोमांटिक नायक की छवि से मेल नहीं खाता था और उनकी आवाज में भी वह बनावटी मिठास नहीं थी, जो व्यावसायिक सिनेमा के कई किरदारों में सुनाई देती थी। उनके पास था यथार्थ का स्पर्श, अनुभव की कठोरता और भावनाओं को भीतर से पकड़ लेने की क्षमता। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी।

नाना पाटेकर ने 1978 की फिल्म गमन से हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने हिंदी और मराठी फिल्मों में लगातार काम किया। 1988 में मीरा नायर की सलाम बॉम्बे! ने उनके अभिनय को व्यापक



केंद्रीय मंत्री ने सरकारी कामकाज में हिंदी अनुवाद की गुणवत्ता में हुए सुधार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पहले अनुवाद में कई बार गलतियां और भ्रामक अर्थ सामने आते थे, लेकिन अब ऐसी समस्याओं में काफी कमी आई है। टेक्नोलॉजी, एआई आधारित प्रणालियों और बड़े डेटासेट की उपलब्धता से तकनीकी एवं संवेदनशील विषयों के अनुवाद की गुणवत्ता में लगातार सुधार हो रहा है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदी के इस्तेमाल को ज्ञान और पेशेवर दक्षता की व्यापक जरूरतों से अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। विशेष क्षेत्रों में जहां पर्याप्त हिंदी साहित्य या तकनीकी शब्दावली उपलब्ध नहीं है, वहां केवल भाषा पर जोर देना ज्ञान हासिल करने में बाधा बन सकता है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा का उदाहरण देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर मूल तकनीकी शब्दों को बरकरार रखते हुए उनकी व्याख्या और शिक्षण हिंदी में किया जा सकता है।

मंत्री ने कौशल विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं में भाषा विकल्पों से जुड़े सुझाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाषा के अधिक विकल्प छोटे कस्बों, शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों के लिए ऐसी पहलों को अधिक सुलभ बना सकते हैं। उन्होंने उपयुक्त मौखिक घटकों को शामिल करने के साथ भाषा विकल्प बढ़ाने के सुझाव को संबंधित मंत्रालय के पास भेजने की बात कही।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने विद्यालयों में हिंदी शिक्षण कार्यक्रमों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को शामिल करने के सुझाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय के समक्ष रखे जा सकते हैं, खासकर उन कार्यक्रमों में जिनमें शिक्षक और शिक्षण संस्थान शामिल हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्मिक विभाग अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर आने वाले ऐसे कार्यों को स्वयं संचालित नहीं कर सकता।



पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद परिदा ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर दिया। परिदा में उनका अभिनय केवल एक नकारात्मक चरित्र का चित्रण नहीं था। उन्होंने हिंसा और अपराध की दुनिया में फंसे व्यक्ति के भीतर मौजूद मानसिक द्वंद्व को भी प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। इस भूमिका के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। उनकी संवाद–अदायगी, आंखों की भाषा और चेहरे की कठोरता ने दर्शकों को यह अनुभव कराया कि अभिनय केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि चरित्र की आंतरिक बेवैनी को जीना भी है। इसके बाद क्रांतिवीर ने नाना पाटेकर को एक अलग ऊंचाई दी। फिल्म में उन्होंने सामाजिक अन्याय, व्यवस्था से असंतोष और आम आदमी के आक्रोश को आवाज दी। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। उनके संवाद केवल संवाद नहीं रह गए। वे जनभावना की अभिव्यक्ति बन गए। यही वह दौर था, जब नाना पाटेकर की आवाज भारतीय सिनेमा की सबसे पहचानने योग्य आवाजों में शामिल हो गई।

नाना पाटेकर को केवल गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं का अभिनेता मानना उनके साथ न्याय नहीं होगा। उनका अभिनय संसार जितना गंभीर था, उतना ही बहुरंगी भी। अग्निसाक्षी में उन्होंने एक संवेदनशील और जटिल भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। खामोशी : द म्यूजिकल में उनका अभिनय भावनात्मक गहराई का उदाहरण बना। अंगार, तिरंगा, शक्ति : द पावर, अपूर्व चंपन, अपहरण और राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग–अलग स्वभाव और मानसिकता वाले किरदार निभाए। अपहरण में नकारात्मक भूमिका ने एक बार फिर साबित किया कि वे किसी भी चरित्र की मनोवैज्ञानिक परतों को अपने अभिनय से उभार सकते थे। और फिर आया वेलकम का उदय शेड्डी। जिस अभिनेता की पहचान गंभीर और तीखे किरदारों से थी, उसने हास्य के क्षेत्र में भी अपनी ऐसी छाप छोड़ी कि उदय शेड्डी स्वयं एक लोकप्रिय सांस्.तिक चरित्र बन गया। उनकी संवाद–अदायगी, चेहरे के भाव और हास्य की टाइमिंग ने यह सिद्ध कर दिया कि अभिनय की उनकी सीमा किसी एक विधा तक नहीं थी। यही बहुमुखी प्रतिभा उन्हें अपने समय के दूसरे कलाकारों से अलग करती है।

यदि नाना पाटेकर के अभिनय जीवन की कुछ सबसे उल्लेखनीय भूमिकाओं को चुना जाए तो मराठी फिल्म नटसम्राट का नाम अवश्य आएगा। इसमें उन्होंने रंगमंच के एक वृद्ध कलाकार की भूमिका निभाई, जो जीवन के उत्तरार्ध में परिवार, स्मृतियों, अकेलेपन और अपनी पहचान के संकट से जूझता है। यह भूमिका उनके अपने रंगमंचीय अनुभव और अभिनय की परिपक्वता का मानो संगम थी।

भारत और कजाकिस्तान ने साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर।

भारत और कजाकिस्तान ने अपने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और इस साझेदारी को ठोस नतीजों में बदलने के लिए और भी मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बुधवार को कजाकिस्तान में भारत के राजदूत वाई.के. सैलास थंगल और कजाकिस्तान के उप विदेश मंत्री अरमान इस्सागालिव के बीच हुई बैठक में ये चर्चाएं हुईं।

कजाकिस्तान में भारतीय दूतावास ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, “राजदूत वाई.के. सैलास थंगल की कजाकिस्तान के नवनियुक्त उप विदेश मंत्री के साथ एक सौहार्दपूर्ण और सार्थक बैठक हुई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और भारत–कजाकिस्तान की मजबूत साझेदारी को ठोस नतीजों में बदलने के लिए और भी मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।” इसमें आगे कहा गया, “उन्होंने उभरते अवसरों का लाभ उठाने, आपसी समझ को गहरा करने और भारत और कजाकिस्तान के बीच भविष्योन्मुखी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।”

पिछले महीने, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम–जोमार्ट टोकायेव ने नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी। विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कजाकिस्तान के साथ भारत के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को याद किया और हाल के वर्षों में

महिलाओं तक सीमित नहीं ब्रेस्ट कैंसर, पुरुषों को भी हो सकता है : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर।

ब्रेस्ट कैंसर का नाम सुनते ही आमतौर पर हमारे मन में महिलाओं की तस्वीर आती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पुरुष भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं? विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, ब्रेस्ट कैंसर के करीब 99 प्रतिशत मामले महिलाओं में पाए जाते हैं, जबकि लगभग 0.5 से 1 प्रतिशत मामले पुरुषों में होते हैं। संख्या भले ही कम हो, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि पुरुषों में इस बीमारी का खतरा नजरअंदाज कर दिया जाए।

हर साल अक्टूबर को ‘ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह’ के रूप में मनाया जाता है। इसका मकसद लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक करना, समय पर पहचान और इलाज के महत्व को समझाना और इससे प्रभावित लोगों को समर्थन देना है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले काफी कम होते हैं। इसी वजह से कई बार पुरुष अपने शरीर में होने वाले बदलावों को गंभीरता से नहीं लेते। ब्रेस्ट में गांठ, निप्पल के आसपास बदलाव, निप्पल से किसी तरह का स्राव या ल्चवा में असामान्य परिवर्तन जैसे लक्षण दिखाई दें तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का इलाज भी बीमारी की स्थिति और उसके प्रकार के आधार पर किया जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का उपचार महिलाओं में अपनाए जाने वाले इलाज के सिद्धांतों के अनुरूप ही होता है। इसी कारण पुरुषों के

प्रादेशिक सेना दिवस: भारतीय प्रादेशिक सेना में नौकरीपेशा लोग पार्ट–टाइम देते हैं सेवाएं, कई अभियानों में ले चुके हैं हिस्सा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (आईएनएस)।

देश में हर वर्ष 9 अक्टूबर को प्रादेशिक सेना दिवस मनाया जाता है। 18 अगस्त 1948 को प्रादेशिक सेना अधिनियम पारित किया गया था। देश के पहले गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी की ओर से प्रादेशिक सेना का औपचारिक उद्घाटन किया गया था। यह भारतीय सेना के बाद देश की रक्षा की दूसरी पंक्ति है। इसमें ऐसे लोग शामिल होते हैं, जो अपने पेशे के साथ ही सेना में पार्ट–टाइम सेवाएं देते हैं। प्रादेशिक सेना में लगभग 50 हजार लोग शामिल हैं। सैनिक ट्रेनिंग लेने वाले आम नागरिकों को वक्त आने पर देश की सेवा के लिए बुलाया जाता है। इस दौरान प्रादेशिक सेना में शामिल लोग अपना मूल काम छोड़कर सेवाएं देते हैं। प्रादेशिक सेना का इतिहास प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक देखा जा रहा है। संस्था देश की रक्षा व्यवस्था में योगदान देती रही है। ‘नागरिक सेना’ के अस्तित्व को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए पहला प्रादेशिक सेना सप्ताह 8–15 नवंबर 1952 को मनाया गया था।

प्रादेशिक सेना के जवानों ने 1962, 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भाग लिया था। इसके अलावा, प्रादेशिक सेना के जवान सेना के कई अभियानों में हिस्सा ले चुके हैं। प्रदेशिक सेना के जवान नियमित सेना के साथ मिलकर काम करते हैं। ये आपातकाल या संघर्ष के समय सहयोग में आते हैं। राष्ट्रीय डाक सप्ताह 2026 का मुख्य उद्देश्य डाक सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, सुलभ और नागरिकों की बदलती आवश्यकताओं के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए विभाग की ओर से किए जा रहे निरंतर प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना है। एन–जेन पोस्ट ऑफिस और जन सेवा कनेक्ट पोस्ट ऑफिस जैसी पहलों के माध्यम से विभाग आधुनिक और समावेशी सेवा केंद्र का निर्माण कर रहा है जो आम नागरिकों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए



भारत–कजाकिस्तान संबंधों के निरंतर विकास पर संतोष व्यक्त किया।

विदेश मंत्रालय ने कहा, “दोनों नेताओं ने राजनीति, व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, उभरती प्रौद्योगिकियों, रचनात्मक अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा किए।”

इसमें आगे कहा गया, “नेताओं ने अपने लोगों के आपसी लाभ के साथ–साथ क्षेत्र में शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि के लिए दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।” अपनी यात्रा के दौरान, टोकायेव ने 12–13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने 12 सितंबर को भारत मंडपम में आए नेताओं के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भी भाग लिया।

महिलाओं तक सीमित नहीं ब्रेस्ट कैंसर, पुरुषों को भी हो सकता है : डब्ल्यूएचओ



लिए भी समय पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है।

ब्रेस्ट कैंसर के खिलाफ लड़ाई में शुरुआती पहचान को सबसे अहम माना जाता है। अगर बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ में आ जाए तो समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। यही वजह है कि लोगों को शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है।

दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसरों में शामिल है। साल 2022 में करीब 23 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था, जबकि लगभग 6.70 लाख महिलाओं की इस बीमारी से मौत हुई। हालांकि, इलाज और सर्वाइवल की स्थिति अलग–अलग देशों में काफी अलग है। इसका एक बड़ा कारण शुरुआती जांच, सही समय पर बीमारी की पहचान और प्रभावी इलाज तक समान पहुंच का न होना है।

भारतीय प्रादेशिक सेना दिवस



देते हैं। प्रादेशिक सेना में भर्ती होने के लिए युवाओं की आयु 18 से 42 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रदेशिक सेना में अधिकारी बनने के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी आवश्यक है।

इसका नेतृत्व तीन सितारा रैंक के प्रादेशिक सेना महानिदेशक की ओर से किया जाता है, जो आमतौर पर भारतीय सेना से प्रतिनियुक्त लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारी होते हैं और रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग के अधीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के नेतृत्व में होता है। प्रादेशिक सेना की दो इकाइयां हैं: पहली विभागीय इकाई जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और भारतीय रेलवे के कर्मचारी और पूर्व सैनिक शामिल हैं और दूसरी गैर–विभागीय इकाई जिसमें निजी क्षेत्र में कार्यरत नागरिक शामिल हैं।–आईएनएस

9 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाया जाएगा

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर।

डाक विभाग (डीओपी) 9 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाने जा रहा है। 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस से इसकी शुरुआत हो रही है। इस वर्ष विश्व डाक दिवस का विषय है ‘विश्व डाक दिवस: एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएं।’

राष्ट्रीय डाक सप्ताह 2026 का मुख्य उद्देश्य डाक सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, सुलभ और नागरिकों की बदलती आवश्यकताओं के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए विभाग की ओर से किए जा रहे निरंतर प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना है।

एन–जेन पोस्ट ऑफिस और जन सेवा कनेक्ट पोस्ट ऑफिस जैसी पहलों के माध्यम से विभाग आधुनिक और समावेशी सेवा केंद्र का निर्माण कर रहा है जो आम नागरिकों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए